पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 16.03.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

शहीद भगतसिंह राजगुरू, सुखदेव
के बलिदान दिवस पर
"राष्ट्र रक्षा यज्ञ"
शनिवार, 23 मार्च 2019,
प्रातः 11 से 1.00 बजे तक
स्थानःजन्तर मन्तर,नई दिल्ली

वर्ष-35 अंक-20 फाल्गुन-2075 दयानन्दाब्द 195 16 मार्च से 31 मार्च 2019 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.03.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के तत्वावधान में 195 वां महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव सांसद मीनाक्षी लेखी के निवास पर सोल्लास सम्पन्न

राष्ट्र निर्माण में आर्य समाज की महती भूमिका – भाजपा प्रदेश महामन्त्री सिद्धार्थन
आंतकवाद राष्ट्र को खोखला कर रहा है – राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

दिल्ली प्रदेश भाजपा के संगठन महामन्त्री श्री सिद्धार्थन को सम्मानित करते परिषद् के अध्यक्ष अनिल आर्य, साथ में उर्मिला आर्या, आर. पी. सूरी, देवेन्द्र गुप्ता, महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), आचार्य गवेन्द्र शास्त्री व दुर्गेश आर्य।

शुक्रवार, 1 मार्च 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में सांसद मीनाक्षी लेखी के निवास, 14, महादेव रोड, नई दिल्ली पर 195 वां महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव सोल्लास मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता आर्य नेता श्री मायाप्रकाश त्यागी ने की।

भाजपा नेता श्री सिद्धार्थन ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में आर्य समाज की भूमिका सर्व विदित है,देश की आजादी में भी उसका उल्लेखनीय योगदान रहा। अब फिर हमें राष्ट्रवादी शक्तियों को संगठित कर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना है। उन्होंने महर्षि दयानन्द के राष्ट्र निर्माण में योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके आदर्शो को जीवन में धारण करने का आह्वान किया। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज फिर आर्य समाज अपनी भूमिका निभाने को तैयार खड़ा है,उन्होंने आंतकवादियों व अलगाववादियों को बेनकाब करने व केन्द्र सरकार से उनके संरक्षको को सख्ती से कुचलने की मांग की। समारोह का शुभारम्भ आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने पुलवामा के शहीद सैनिको को श्रद्धाजंलि यज्ञ के साथ किया व श्री सिद्धार्थन यज्ञमान बने व वन्दना जावा, पुष्पा चुघ, सुभाष त्रेहन, रजनीश गोयल के मधुर भजन हुए।

दिल्ली के गणमान्य आर्य जन सर्वश्री रविदेव गुप्ता, ओमप्रकाश यजुर्वेदी, चतरसिंह नागर, ओम सपरा, गोपाल आर्य, उर्मिला आर्या, चन्द्रमोहन खन्ना, पार्षद सुभाष भडाना, रमेश गाडी, राजेश मेहन्दीरता, सुरेन्द्र शास्त्री, महावीरसिंह आर्य, कवि विजय गुप्त, वेदप्रकाश आर्य, यशोवीर आर्य, सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, शिवम मिश्रा, माधवसिंह, प्रवीन आर्य, सुन्दर शास्त्री, मनोज मान, आचार्य सुधांशु, हरिचन्द आर्य, प्रकाशवीर शास्त्री, देवदत आर्य, अमरनाथ बत्रा, भोपालसिंह आर्य, मधु बेदी, इन्दु मेहता, डा.विपिन खेड़ा, हंसराज आर्य, अनिता कुमार, सुशील बाली, गोपाल जैन,देवेन्द्र तनेजा आदि सैंकडों की संख्या में सम्मिलित हुए। प्रीतिभोज का आनन्द लेकर सभी उत्साहपूर्वक विदा हुए। सांसद मीनाक्षी लेखी ने सफल आयोजन के लिये अपनी शुभकामनायें प्रदान की।

पार्षद श्री सुभाष भडाना को सम्मानित करते अनिल आर्य,रविदेव गुप्ता, सुरेश आर्य, आर.पी.सूरी, दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के महामंत्री चतरसिंह नागर व प्रधान ओमप्रकाश यजुर्वेदी। द्वितीय चित्र–सार्वदेशिक सभा के कोषाध्यक्ष श्री मायाप्रकाश त्यागी को सम्मानित करते रविदेव गुप्ता,अनिल आर्य,उर्मिला आर्या व प्रवीन आर्य।

यह राजनीति अपने देश को ही कठघरे में खड़ा करती है

—अवधेश कुमार

आम भारतीयों तक जैसे ही यह समाचार पहुंचा कि हमारे वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान की सीमा में घुसकर जैश ए मोहम्मद के ठिकानों पर हमला किया पूरे देश में उत्साह और रोमांच का अभूतपूर्व वातावरण बन गया। आम लोगों के लिए यह समाचार ही काफी था। विदेश सचिव ने आकर बयान दे दिया और यह देश के लिए पर्याप्त था। लोगों को यही लगा कि वर्षों से आतंकवाद से त्रस्त हमारे देश ने अब पाकिस्तान को और दुनिया को दिखा दिया कि हमारे पास राजनीतिक इच्छाशक्ति है और उसे पूरा करने के संसाधन एवं लक्ष्य पा लेने के लिए जान की बाजी लगा देने वाले जाबांज भी। पूरी दुनिया ने भारत के विरुद्ध एक शब्द नहीं बोला,बल्कि कुछ देशों ने तो बयान दिया कि भारत ने आत्मरक्षा में कदम उठाया है। पाकिस्तान के सामने समस्या पैदा हो गई कि वह प्रतिक्रिया व्यक्त करे तो कैसे? किंतु हमारे देश की पार्टियों और नेताओं ने धीरे–धीरे जो वातावरण बना दिया उससे पाकिस्तान का काम आसान हो गया। वहां की संसद में मंत्री भारतीय नेताओं को उद्धृत कर रहे हैं, पाकिस्तानी मीडिया में नेताओं के बयान चल रहे हैं और उन पर बहस हो रही है कि देखो सारे नेता नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ हैं।

हर विवेकशील भारतीय का दिल अपने नेताओं के आचरण पर रो पड़ा है। जब 28–29 सितंबर को थल सेना ने नियंत्रण रेखा पार कर सर्जिकल स्ट्राइक किया तब भी विरोधी नेता प्रमाण मांग रहे थे। किसी ने फर्जिकल स्ट्राइक कहा तो किसी ने कुछ। सैन्य औपरेशन के महानिदेशक डीजीएमओ ने बाजाब्ता पत्रकार वार्ता करके सूचना दी कि हमने सर्जिकल स्ट्राइक किया है। देश के लिए इतना ही काफी होना चाहिए। उस एक कार्रवाई से एक बदले हुए आत्मरक्षा के लिए आक्रामक चरित्र वाले भारत का दुनिया को दर्शन हुआ था। लेकिन हमारे नेताओं राजनीति के लिए देश की यह छवि भी बर्दाश्त योग्य नहीं थी। नेताओं ने आतंकवाद के विरुद्ध इतने साहसी और ऐतिहासिक कार्रवाई से पैदा उत्साह पर पानी फेरने की भूमिका निभाई। उड़ी में सोते हुए जवानों को जलाकर मार डालने से क्रोधित सेना ने अपना बदला ले लिया था जिसके बाद सबको साथ खड़ा होकर विजयोत्सव मनाना चाहिए था। यही व्यवहार इस समय भी अपेक्षित था। आखिर 1971 के बाद सोच–विचार कर योजनापूर्वक हमारे वायुयानों ने पहली बार केवल नियंत्रण रेखा नहीं अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर खैबर पखतूनख्वा तक जैश के ठिकानों पर बमबारी किया। यह विश्वास पैदा हुआ कि आगे जब भी आतंकवादी हमला हुआ और उसमें सीमा पार का हाथ नजर आया तो भारत ऐसा ही करेगा।

कल्पना करिए, यदि इस समय सारे राजनीतिक दल एकजुट रहते तो कैसा दृश्य होता। पाकिस्तान ही नहीं दुनिया को संदेश मिलता कि यह पूरे देश की लड़ाई है। पहले दिन तो सबने कह दिया कि वो सेना को सैल्यूट करते हैं। हालांकि उसमें भी राजनीति थी, क्योंकि लोकतांत्रिक देश होने के कारण फैसला राजनीतिक नेतृत्व करता है,सेना उसको साकार करती है। उसके बाद 21 दलों की बैठक में सरकार के खिलाफ सेना के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए निंदा प्रस्ताव ही पारित कर दिया गया। यहीं से पूरा वातावरण विषाक्त होने लगा। फिर स्वनामधन्य नेता सामने आ गए। दिग्विजय सिंह मैदान में कूदे यह कहते हुए कि आपने 300 आतंकवादी मारे तो उसका सबूत दीजिए। जिस तरह अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन को मारने का सबूत दुनिया के सामने रख दिया वैसे ही भारत को भी रख देना चाहिए। दिग्विजय सिंह को पता नहीं कि अमेरिका में किसी ने भी तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा से सबूत नहीं मांगा था। किसी को नहीं पता कि ओसामा कहां दफनाया गया। किंतु वह एक व्यक्ति को मार डालने का मामला था जो एक घर में छिपकर परिवार के साथ रहता था, इसलिए उसका पूरा साफ वीडियो बनाना संभव था। भारत के 14 विमानों की कार्रवाई वैसी नहीं थी। यद्यपि सेना के तीनों अंगों के अधिकारियों ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में बताया गया कि हमने सबूत दे दिए हैं और यह निर्णय बड़े नेतृत्व को करना है कि उसे कब दिखाया जाएगा। किंतु उसे दिखाया ही जाए यह क्यों जरुरी है?

दिग्विजय के साथ कपिल सिब्बल, मनीष तिवारी, पी. चिदम्बरम, अजय सिंह, ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल.....जैसे नेता सबूत मांग रहे हैं कि आपने कितने आतंकवादी मारे इसे साबित करिए। सिब्बल साहब ने ट्विट कर दिया कि इंटरनैशनल मीडिया में पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकियों को नुकसान की कोई खबर नहीं है। इस पर जवाब दिया जाना चाहिए। क्यों देना चाहिए? क्या उनके पास सूचना के विशेष तंत्र हैं? कुछ रिपोर्ट और लेख तो उनमें भारतीयों के भी हैं जिनमें अरुंधति राय भी शामिल हैं। सिब्बल की नजर में इनकी विश्वसनीयता है लेकिन हमारी सेना की नहीं। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि हम आतंकवादी मारने गए थे या पेंड़ गिराने। राजनीतिक विरोध में इस सीमा तक न चले जाएं कि देश का विरोध करने लगें और देश के पराक्रम सेना की वीरता को दुनिया की नजर में झुठा बना दें। यही हो रहा है। वस्तुतः जब राजनीति में अदूरदर्शी और गैरजिम्मेवार नेताओं का वर्चस्व हो जाए तो ऐसी ही त्रासदी सामने आती है। मजे की बात देखिए कि ये नेता कह रहे हैं कि सेना का राजनीतिकरण नही किया जाए। यह क्या है? दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैं सेना की कार्रवाई पर कोई सवाल नहीं खड़े कर रहा। तो किस पर सवाल खड़े कर रहे हैं? मोदी और निर्मला सीतारमण लड़ाकू विमान उड़ाकर गए नहीं थे। सेना के पायलट गए थे। उनने कहा कि मिशन पूरा हुआ तो सरकार ने माना। इसलिए आप मोदी सरकार या भाजपा नहीं सेना पर संदेह पैदा कर रहे हैं। भारतीय वायुसेना के कारण भारत की जो धाक बनी है और उससे आतंकवादियों के अंदर जो भय पैदा हुआ है उसे आप खत्म करने पर तूले हैं।

इनमें देश की एकता को तोड़ने का पाप है तो सेना के मनोबल पर विपरीत असर डालने का भी और भारत को दुनिया की नजर में झूठा साबित करने का शर्मनाक हरकत तो है ही। आप इससे बड़ी क्षति देश को पहुंचा नहीं सकते। इस तरह की राजनीति मोदी या सरकार विरोधी नहीं भारत विरोधी है। अमित शाह ने कहा कि 250 आतंकवादी मारे गए हैं तो आप उनसे सवाल करिए। हालांकि अमित शाह का बयान विपक्षी नेताओं के कार्रवाई के सबूत मांगने के बाद आए हैं। इससे दुखद तथ्य क्या हो सकता है कि पाकिस्तान को सबसे बड़ी राहत इन नेताओं के बयानों से ही मिली है। कुछ पत्रकारों के ट्वीट ने भी पाकिस्तान सरकार को अपने अवाम के सामने बचाव का आधार दिया है। पाकिस्तान तो परेशान था कि अपना पक्ष रखे तो कैसे? हालांकि 4 मार्च को कोयम्बटूर में वायुसेना प्रमुख बी. एस. धनोआ ने बिना राजनीति पर कुछ बोले इनकी बातों का करारा जवाब दे दिया। उन्होंने जो कुछ कहा वह प्रमाणित करता है कि नेताओं की नासमझी से सेना के लक्ष्य और संकल्प पर कोई अंतर नही पड़ा है। उन्होंने साफ कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई अभी जारी है। धनोआ से जब सवाल किया गया कि पाकिस्तान बालाकोट में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाए जाने की बात को खारिज कर रहा है, तो उन्होंने कहा कि हमने टारगेट हिट करने का प्लान बनाया था, तो हमने टारगेट हिट किया है। हम टारगेट हिट करते हैं, मानव शवों को नहीं गिनते। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसके बाद भी इन नेताओं की जुबान बंद नहीं हुई है। तो अब जनता को ही इसका जवाब देना होगा। कोई पाकिस्तानी नेता अपनी सरकार के खिलाफ नहीं बोल रहा, अपनी सेना पर प्रश्न नहीं उठा रहा। पाकिस्तानी पत्रकार अपने देश के साथ खड़े हैं जबकि भारत के पत्रकारों का एक वर्ग उनको भारत विरोध करने की सामग्री प्रदान कर रहा है।

मान लीजिए वहां एक भी आतंकवादी नहीं मरा। यह भी मान लीजिए कि जैश का भवन भी उम्मीद के अनुरुप नष्ट नहीं हुआ। तो क्या इससे इतनी बड़ी कार्रवाई का महत्व घट जाता है? कितनी क्षति हुई यह मुख्य बात है ही नहीं। मुख्य बात यह है कि आतंकवादी हमले के बाद वायुसीमा पार कर कार्रवाई का साहसी निर्णय करके उसे साकार किया गया। सेना उनकी सीमा में गई और एक शुरुआत हुई है। पाकिस्तान के अंदर भय पैदा हुआ है, आतंकवादी संगठनों में आतंक पैदा हुआ है कि भारत कभी भी हमें निशाना बना सकता है, पाक सेना को अपनी पूरी नीति और रणनीति नए सिरे से निर्धारित करनी पड़ रही है। सवाल उठाने वाले नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि आपके शासन काल में क्या हुआ? मुंबई हमले के बाद वायुसेना ने सीमा पार करने की अनुमति मांगी थी। आपके क्यों नहीं दिया? युद्ध में केवल सेना नहीं लड़ती, देश के नेताओं का बयान, निर्मित वातावरण दुश्मन के विरुद्ध प्रचार और उसके झूठ का पर्दाफाश भी भूमिका निभाती है। भारतीय नेताओं के रवैये से हम इन मोर्चो पर कमजोर पड़ रहे हैं।

ई:30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली:110092,
दूरभाष:01122483408,9811027208

गुरूकुल खेड़ाखुर्द 31 मार्च को आओ

दिल्ली देहात के सुप्रसिद्व गुरूकुल,खेड़ाखुर्द का वार्षिकोत्सव रविवार, 31 मार्च 2019 को प्रातः 8 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक मनाया जायेगा । सभी आर्य जन अपनी समाजों से बसें लेकर भारी संख्या में पंहुचे,यहां पर बीमार गायों के लिये गऊशाला भी चलती है अपना पवित्र योगदान अवश्य प्रदान करें।

—ब्रह्मप्रकाश मान, प्रधान — मनोज मान, मन्त्री

परिषद् का राष्ट्रीय युवक निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली का राष्ट्रीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर शनिवार, 8 जून से रविवार, 16 जून 2019 तक लगेगा । सभी आर्य युवक तिथियां नोट कर लें,स्थान की घोषणा अगले अंक में की जायेगी । सभी प्रान्तीय अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष अपने अपने शिविरों की तिथियां शीघ्र निश्चित कर सूचित करें

—अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष, 011.42133624 निवास

आर्य नेता श्री आनन्द चौहान, ठाकुर विक्रम सिंह व श्री दर्शन अग्निहोत्री का अभिनन्दन

शिक्षाविद् व आर्य नेता श्री आनन्द चौहान, ठाकुर विक्रम सिंह जी व यज्ञप्रेमी श्री दर्शन अग्निहोत्री को "आर्य महासम्मेलन" के स्मृति चिन्ह भेंट करते अनिल आर्य व प्रवीन आर्या।

दिल्ली की लोक प्रिय सांसद मीनाक्षी लेखी के निवास पर आयोजित 195 वें महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव में आर्य महिला शक्ति का सुन्दर दृश्य, प्रमुख रूप से अनिल आर्य के साथ आर्य नेत्री आदर्श सहगल, उर्मिला आर्या, वन्दना जावा, पुष्पलता वर्मा, अल्का अग्रवाल,पुष्पा चुघ आदि।

"मैं अकेला ही चला था जानिवे मंजिल मगर, हम सफर बढ़ते गये और कांरवां बनता गया" महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के साथ दुर्गेश आर्य, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, उमेश गुप्ता, ओमवीरसिंह, राजीव भाटिया, महाशय श्री कृष्ण आर्य, देवेन्द्र भगत, सुरेश आर्य, राजेन्द्र गोयल, चन्द्रमोहन खन्ना, दिनेश शास्त्री, के.एल. राणा, महेन्द्र भाई, सत्यपाल सैनी,राजेन्द्र सिंह व गोपाल जैन आदि।

महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव पर आयोजित यज्ञ में मुख्य यज्ञमान बने भाजपा दिल्ली प्रदेश के संगठन महामन्त्री श्री सिद्धार्थन जी व उपस्थित आर्य जन।

शुक्रवार, 1 मार्च 2019,आर्य केन्द्रीय सभा करनाल के महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव में प्रधान आनन्दसिंह आर्य,नरेन्द्र आहुजा विवेक,महामन्त्री स्वतन्त्र कुकरेजा,डा.जयदीप आर्य,सतेन्द्र मोहन कुमार आदि।

अपील: केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस.कोड -SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित। – अनिल आर्य, मो.09810117464

आर्य समाज, मॉडल बस्ती की हीरक जयन्ती

दिल्ली की सुप्रसिद्व आर्य समाज,मॉडल बस्ती,दिल्ली का रजत जयन्ती समारोह दिनांक 28 मार्च से रविवार 31 मार्च 2019 तक मनाया जायेगा । स्वामी आर्यवेश जी के प्रवचन होगें। श्री सतेन्द्र आर्य के भजन व आचार्य जयप्रकाश शास्त्री यज्ञ के ब्रह्मा रहेगे। सभी आर्य बन्धु सपरिवार दर्शन देकर धर्म लाभ उठायें –आलोक शर्मा,कार्य.प्रधान व आदर्श आहुजा,मन्त्री

इन्द्रापुरम में वैदिक सत्संग

आर्य परिवार,ए.टी.एस.इन्द्रापुरम के तत्वावधान में नवसंवत के उपलक्ष्य में रविवार, 7 अप्रैल 2019 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक यज्ञ व वैदिक सत्संग का भव्य आयोजन किया जा रहा है । आचार्य महेन्द्र भाई जी यज्ञ के ब्रह्मा व परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य मुख्य अतिथि होगे । सभी आर्य बन्धु सपरिवार पंहुच कर उत्साह वर्धन करें

–देवेन्द्र गुप्ता,संयोजक

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् का स्वर्ण जयन्ती समारोह रोहतक में सम्पन्न

महर्षि दयानन्द के मिशन के लिए 200 जीवन दानी तैयार करेगें – स्वामी आर्यवेश

चित्र में–परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य को सम्मानित करते स्वामी आर्यवेश जी व दायें विशाल जनसभा को सम्बोधित करते अनिल आर्य।

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् का स्वर्ण जयन्ती समारोह दिनांक 9 व 10 मार्च 2019 को स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, टिटौली, रोहतक, हरियाणा में सोल्लास सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रधान स्वामी आर्यवेश ने 200 जीवन दानी तैयार करने की घोषणा की, उन्होंने कहा कि जीवन दान दिए बिना महर्षि दयानन्द के स्वपनों का भारत नहीं बन सकता। ब्र.दीक्षेन्द्र आर्य ने कुशल संचालन किया। इस अवसर पर देश भर से हजारों आर्य जन उत्साहपूर्वक भाग लेने पंहुचे। प्रमुख रूप से स्वामी चन्द्रवेश जी, स्वामी रामवेश जी, स्वामी विश्वानन्द जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी, स्वामी ओमवेश जी, आर्य नेता मायाप्रकाश त्यागी, प्रो. विठ्ठलराव आर्य, चौ. लाजपतराय आर्य, आनन्दसिंह आर्य, ईश आर्य, इन्द्रजीत आर्य, विजय आर्य, अंशुल छत्रपति, किरणजीत सिंह आदि उपस्थित रहे। बहिन पूनम–प्रवेश आर्या ने सुन्दर व्यवस्था सम्भाली। आर्यो का उत्साह देखने योग्य था।

शहीद पत्रकार श्री रामचन्द्र छत्रपति के सुपुत्र अंशुल छत्रपति का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी। द्वितीय चित्र–पण्डाल का सुन्दर दृश्य।

मुम्बई से पधारे वैदिक विद्वान डा.सोमदेव शास्त्री के साथ अनिल आर्य, प्रवीन आर्या, अंकित आर्य आदि। द्वितीय चित्र–बंग्लादेश से पधारे सुभाष शास्त्री, अनिल आर्य, विजय आर्य(नरवाना), प्रवीन आर्या व अंकित आर्य।

टिटौली आश्रम,रोहतक में परिषद् की टीम अनिल आर्य,महेन्द्र भाई,धर्मपाल आर्य,प्रवीन आर्या,वेदप्रकाश आर्य,दिनेश आर्य, के. एल. राणा, सुरेश आर्य, आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री व अंकुर आर्य। द्वितीय चित्र–आर्य महासम्मेलन दिल्ली में आर्य हंसराज स्कूल,बादली,दिल्ली के छात्र,साथ में प्रधानाचार्य उर्मिला मनचन्दा व प्रबन्धक महेन्द्र मनचन्दा स्मृति चिन्ह प्राप्त करते हुए।

आर्य समाज विशाखा एनक्लेव में महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

रविवार, 3 मार्च 2019,आर्य समाज,विशाखा एनक्लेव,दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में–समाजसेवी श्री रवि जयसवाल को सम्मानित करते अनिल आर्य,प्रधान डा. धर्मवीर आर्य, मन्त्री ओमप्रकाश गुप्ता, जोगेन्द्र खट्टर, डा.डी.पी.एस.वर्मा। द्वितीय चित्र में मण्डल के प्रधान सुरेन्द्र गुप्ता, जोगेन्द्र खट्टर, व्रतपाल भगत, धर्मपाल परमार, नरेन्द्र कस्तुरिया, डा.धर्मवीर आर्य, ओमप्रकाश गुप्ता आदि। डा. शिवकुमार शास्त्री, आचार्य छविकृष्ण शास्त्री, आचार्य धूमसिंह शास्त्री के प्रेरक प्रवचन हुए।

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1.श्री जगदीश आर्य (आर्य समाज, अर्जुन नगर, गुरुग्राम) का निधन।

2. श्रीमती कृष्णा मदान (आर्य समाज, महावीर नगर, दिल्ली) का निधन।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970